an>

Title: Regarding proper functioning of the House.

माननीय अध्यक्ष : माननीय खड़गे जी ने सदन में कुछ बात उठाई। पहली बात यह है कि सदन के कुछ नियम हैं, मुझे उनके अनुसार चलना है। माननीय खड़गे जी, आपने जब भी किसी संदर्भ में नोटिस दी, मैंने उसे एलाऊ किया है। आपने जब माफी की बात कही थी, यहां माफी मांगी गयी है। हमारे मंत्री जी ने बोला। जिन्होंने कहा था, उन्होंने माफी मांगी थी। उसके बाद हमने सदन की कार्यवाही चलाई। उसके लिए मैं धन्यवाद देती हूं। यह बात हो गयी थी। आज आपकी नोटिस केवल और केवल सेंट्रल एक्साइज के बारे में है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मेरी बात सुनिए।

कल भी यहां हर चीज पर हमने स्टेटमेंट दिलाए हैं। आपने छत्तीसगढ़ की बात कही, मंत्री जी ने जवाब दिया। चर्चा का मामला आप लोगों की तरफ से उठाया गया, सही बात है, मंत्री जी की ओर से जवाब भी आया। आपकी, अब आप अपने आपको सभी विपक्ष की ओर से बोल रहे हैं, तो सभी किसी भी बात को यहां से अन-नोटिस्ड नहीं जाने दिया गया। आपने जिस प्रकार से कहा, चेयर पर किसी प्रकार का दबाव नहीं है। यह आपने अनुभव किया होगा कि हर उस बात का जवाब मंत्रिमंडल की तरफ से दिया गया।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एक मिनट मेरी बात सुनिए।

विदेश से आने के बाद आज तक की यह परिपाटी है, मैं भी सदन में देखती आई हूं कि विदेश मंत्री उस पूरी बात का ब्यौरा देता है, स्टेटमेंट यहां रखता है। आप जो बोल रहे हैं प्रधान मंत्री जी इसके बारे में बोलें, जब एक बार मंत्री ने बोल दिया, स्वयं पार्लियामेंटरी अफेयर्स मिनिस्टर ने एक प्रकार से कहा कि यह बात उचित नहीं, तो स्वयं मंत्री द्वारा माफी मांगने के बाद मामला वहीं पर समाप्त हो जाता है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप तो बोलो ही मत, नहीं तो मुझे वही बात दोहरानी पड़ेगी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इसलिए बिना नोटिस दिए आप अगर कुछ बोलना चाहें तो मैं क्वेश्चन ऑवर में परमीशन नहीं दे सकती, इसलिए अभी आपको बोलने का मौका दिया था। क्वेश्चन ऑवर में आपके एडजर्नमेंट की जो नोटिस थी, अगर आप उसे उठाते तो एकाध मिनट मैं सुन भी लेती, लेकिन मैंने आपका एडजर्नमेंट नोटिस एलाऊ नहीं किया था।

खड़गे जी, आप भी जानते हैं। यह कोई अर्जेंट बात नहीं थी। जब अर्जेंट थी, मैंने तुरंत उसकी नोटिस लेकर मंत्री जी से माफी मांगने के लिए कहा। इसलिए इस प्रकार से कमेंट नहीं करें तो ज्यादा अच्छा होगा।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वेल में आने के बाद मैं कुछ भी करने की स्थिति में नहीं होती। जब 400 सदस्य प्रश्न पूछना चाहते हैं, मंत्री जी से उत्तर चाहते हैं, मैं उनकी अवहेलना भी नहीं कर सकती। मुझे इनको भी संभालना है, मुझे आपको भी तवज्जो देनी है। मैं अपनी तरफ से इसके लिए कोशिश कर रही हूं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मुझे लगता है कि अब इस तरह की बातें नहीं हों तो अच्छा है। अब मैं जीरो ऑवर प्रारंभ कर रही हूं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप क्या बोलना चाहते हैं, विषय लिखकर दो, तब तक जिन्होंने लिखकर दिया है, कानूनन जिनका अधिकार बनता है वहीं से शुरुआत करती हूं। आपको क्या बोलना है, आप लिखकर दे दो।

...(व्यवधान)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : Madam, yesterday this issue was raised. The hon. Minister, Shri Venkaiah Naidu ji made a statement...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप किसी विषय को उठाना चाहते हो। बोलिये।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : He mentioned my Party's name categorically Trinamool Congress and also Shri Tapas Paul by name on this subject. It is my privilege to be allowed to speak and to explain what the hon. Minister said and what is our standpoint...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आपका विषय हो गया। आप इसे दुबारा न उठाएं। उस पर मैंने एक्सप्लेनेशन दे दिया है।

...(व्यवधान)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : If you do not give me time then I have to tell in one word what Shri Kharge ji has said. We fully agree with him and support him. We stand by the statement made by Shri Kharge ji and we are walking out...(*Interruptions*) You are not allowing us to speak...(*Interruptions*) This is not fair...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : मैं अलाऊ कर रही हूं। I am allowing you.

Smt. Ratna De

Shri Jitendra Chaudhury -- Not present

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : पहले नम्बर पर रत्ना डे का नाम है, मैं उन्हें पूछ रही हूं, वे अपना प्रश्न उठाना चाहती हैं क्या? Smt. Ratna De, would you like to speak on your subject – need to open Kendriya Vidyalaya?

DR. RATNA DE (NAG) (HOOGHLY): Madam, Speaker, thank you for giving me this opportunity. My parliamentary constituency Hoogly...(*Interruptions*)

12.22 hrs

At this stage, Shri Sudip Bandyopadhyay and some other

hon. Members left the House.

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT, MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Madam, Speaker, in my absence, I was in the other House, it is functioning or not functioning I had to be there and I went there. I am told that my name is taken out of context. I have not said any word against Mamata ji.

HON. SPEAKER: He wanted to give some explanations about what you said yesterday. It is all right.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I am not giving any explanation. I hold Mamata ji in high esteem. What I said was that she had the culture to condemn that. But Beni Prasad Verma ji did not apologise. That was the context in which I mentioned it. I do not think anybody should have objection to that. Everyday they want to say something and curse the Government. Mere curses will not do anything to this Government. It is the wish of the people that prevail. They should understand that.

माननीय अध्यक्ष : श्री छोटे लाल जी।